जय जय महाश्रमण

नारीलोक

अंक 242 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | अगस्त 2018

अध्यक्षीय कार्यालय :
श्रीमती कुमुद कच्छारा
अम्हेर ज्वेलरी, ऑफिस नं. 6
लक्ष्मी भुवन, आनन्दजी लेन
रसिकलाल ज्वेलर्स के सामने
एम.जी. रोड़, घाटकोपर (ई)
मुम्बई – 77
मो. : 9833237907
e-mail : kumud.abtmm@gmail.com

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

जिनवाणी का करें श्रवण, जीवन में लाएं परिवर्तन

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र !

परिवर्तन सृष्टि का नियम, परिवर्तन लगता है सबको मनभावन। अगस्त माह पर्वों की शुरुआत का महीना है। भारतीय संस्कृति की धरोहर हमारे मुख्य पर्व आषाढ़ी पूर्णिमा से प्रारंभ होते हैं। चारों ओर हरियाली ही हरियाली। कहते हैं बसंत ऋतु के आगमन से प्रकृति मुस्कुराती है तथा मन उल्लास व उमंग से भर जाता है और चातुर्मास लगते ही संतों के आगमन से संस्कृति मुस्कुराने लगती है और मन धर्म, अध्यात्म, तप, जप आदि में लग जाता है। मनुष्य के जीवन में हर पल यह भावना रहती है कि मेरे जीवन में सदैव नयापन बना रहे। वह जीवन के हर क्षण को जीवन्तता के साथ जीने की तीव्र आकांक्षा रखता है तथा जीवन को सफल और सार्थक बनाने का प्रयास करता है। किन्तु जब तक अध्यात्म की गहराई को छूने का प्रयास नहीं होगा और अन्तर्मन के पर्दों को हटाया नहीं जायेगा तब तक जीवन को जीवन्तता के साथ जिया नहीं जा सकता। परिवर्तन के दो प्रकार है – बाह्य परिवर्तन और आंतरिक परिवर्तन।

एक बार एक महात्मा ने प्रश्न पूछा – दुनिया में सबसे ठंडी चीज क्या है ? परिषद में विभिन्न प्रकार के लोग बैठे हुए थे।

एक जौहरी ने कहा – बसरा का मोती सबसे ठंडा है।

एक वैद्य ने कहा – महात्माजी, मोती ठंडा हो या न हो, मेरी दृष्टि से तो चंदन सबसे ठंडा है। शरीर मे दाहज्वर पैदा हो जाये तो चंदन का लेप लगाया जाता है।

एक पंडित ने कहा – मोती और चंदन ठंडा हो सकता है, मगर मेरे मन से तो गंगा का जल सबसे ठंडा है, वहां डुबकी लगाने से सारे पाप धुल जाते है।

किसान ने कहा – महात्माजी मेरे अभिमत से सबसे ठंडक पहुँचाने वाली है आषाढ़ की पहली बारिश।

अनेक व्यक्तियों के मत को सुनने के बाद महात्माजी ने कहा, सभी के दृष्टिकोण के अनुसार सभी अपनी-अपनी जगह सही है मगर ये सारी वस्तुएं हमारे बाह्य शरीर को ठंडक पहुँचाती है। हमारे भीतर को ठंडक पहुँचाने वाली, आत्मा को ठंडक पहुँचाने वाली है – जिनवाणी, जो हमारी आत्मा के पाप को धोती है, कर्ममल को धोती है। मगर सहज में ही प्रश्न होता है कि क्या हम यह वाणी सुनते हैं? इससे वास्तव में हमारे भीतर में परिवर्तन घटित होता है या नहीं ? प्रतिवर्ष चातुर्मास आता है, हम प्रवचन सुनते हैं, सामायिक करते हैं, तप, जप, ध्यान, स्वाध्याय आदि करते हैं मगर गहराई से अवलोकन करे तो स्पष्ट है कि भीतर में कोई खास परिवर्तन घटित नहीं होता है। आखिर ऐसा क्यों? क्या हम इतने कमजोर है? नहीं, जैन दर्शन के अनुसार प्रत्येक आत्मा अनन्त शक्ति संपन्न है। अपेक्षा है शक्ति को पहचानने की, जगाने की और उसे सही दिशा में नियोजित करने की। हम सौभाग्यशाली है हमें वीरवाणी पर अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले सत्य के प्रति सर्वात्मना समर्पित आचार्य भिक्षु जैसे आद्य प्रवर्तक मिले जिन्होंने तेरापंथ की जड़ों को मजबूत किया। बहनों, हम नमन करे श्रद्धा, आस्था और निष्ठा के धाम तेरापंथ के तेजस्वी, ओजस्वी,

अध्यक्षीय

वर्चस्वी आचार्यों को जो धर्म विशेष संप्रदाय से जुड़े होकर भी सूरज की धूप, वर्षा का पानी और वृक्ष की छांह ज्यों बंटे नहीं, हवा बनकर सब तक पहुँचे, प्रकाश बनकर अंधेरों को रोका और विश्वास बनकर सबको आश्वस्ति दी। आचार्य श्री तुलसी ने मानव मात्र के नैतिक उत्थान के लिए अणुव्रत का शंखनाद किया तो आचार्य श्री महाप्रज्ञजी ने भीतर के रूपांतरण के लिए प्रेक्षाध्यान जैसी साधना पद्धति दी। वर्तमान में भगवान महावीर की परछाई बनकर उनके संदेशों को जन-जन तक पहुँचाने का अहर्निश प्रयास करते हुए आचार्यश्री महाश्रमणजी नैतिकता, सद्भावना और नशामुक्ति की आधुनिक त्रिपदी का ज्ञान मानवमात्र को दे रहे हैं जो कि समय की मांग है। बहनों, चातुर्मास का समय एकमात्र ऐसा समय है जिसमें हमें चारित्रात्माओं से निरंतर आत्मशोधन, वृत्तिशोधन तथा संयम की प्रेरणा मिलती है। तप, जप, ध्यान, स्वाध्याय से हम अपने भीतरी और बाहरी दोनों सौंदर्य को निखारने का प्रयत्न करें। इन्द्रिय संयम से चरित्र को उन्नत बनाने का लक्ष्य बनायें। बहनों, इस चातुर्मास में विशेष रूप से परिवार के प्रत्येक सदस्यों को पच्चीस बोल तथा प्रतिक्रमण कंठस्थ करने की प्रेरणा दे और इसे अभियान के रूप में आगे बढ़ाते हुए पूज्यप्रवर के सपनों को साकार करें।

स्वतंत्रता के महान पर्व पर जीवन की असली आजादी की दिशा में प्रस्थान करने का प्रण लें। देश को आजादी दिलाने वाले वीर सैनानियों की स्मृति करते हुए आत्मा को कर्मों की गुलामी से मुक्ति दिलाने की प्रक्रिया प्रारंभ करें। इस बार स्वतंत्रता दिवस पर एक नया प्रयोग करते हुए वर्णमाला के दो अक्षर अ और आ अर्थात् अहंकार और आडम्बर से छुटकारा पाकर असली आजादी अपनाएं।

भाई-बहन के स्नेह का पवित्र पर्व राखी का त्यौंहार हमें दायित्व बोध की चेतना का संदेश देता है हमारी सोच और चिंतन को सकारात्मक दिशा की ओर ले जाता है। बहनों, चिंतन करें कि हमारा जीवन कैसा हो? क्या हम आधुनिकता के साथ पारस्परिक मूल्यों के साथ भी जी रहे है? अधिकारों की अंधी दौड़ में कहीं हम कर्तव्य की कतार में पीछे तो नहीं रह गये? बहनों, हमारा जीवन हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ दायित्व का भी बोध कराता रहे इस बात का ध्यान रखे। हमारे चरित्र की चादर इतनी उजली हो कि हमारे आदर्श औरों के लिए प्रेरणा बन जाए। यह सब तब संभव होगा जब हम जिनवाणी का श्रवण करेंगे और उसे जीवन में उतारने का प्रयास करेंगे। अतः इस चातुर्मास में बहनों, जिनवाणी का करे श्रवण, जीवन में लाएं परिवर्तन।

आपकी अपनी

कुमुद कच्छारा

संघ महानिदेशिका महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्रीजी के जन्म दिवस पर महिला समाज की श्रद्धासिक्त अभिवंदना

नारी जग की शान तुम्ही हो, मान तुम्ही वरदान तुम्ही हो।
प्रणत चरण में मस्तक सविनय, श्रद्धा का आस्थान तुम्ही हो।।

महिला मंडल तुम्हें बधाएं, महक रही है दसों दिशाएं।
कल्याणी तेरस यह पावन, लिखी भाग्य ने नई ऋचाएं।।

भाग्य तुम्हारा, भाग्य हमारा, तुलसी जैसे गुरुवर पाएं।
महिला शक्ति आशीर्वर पा, जग में निज परचम फहराएं।।

दो आशीष हमें भी मंगल, पल-पल मंगलमय बन जाएं।
सूर्य रश्मि तेरी किरणों से, पग-पग पर आलोक बिछाएं।।

ऊर्जावाणी

- सच्चा कार्यकर्ता पद मिलने से अधिक और पद न मिलने से कम कार्य नहीं करता।
- कार्यकर्ता वही बन सकता है जो दिमाग को कम और पुरुषार्थ को अधिक खर्च करता है।
- जो कार्यकर्ता समर्पण भावना से कार्य करते हैं उन्हें अवश्य ही सफलता प्राप्त होती है।
- सफल कार्यकर्ता वही है जो अपने दिमाग व दिल को तटस्थ व संतुलित रखे।
- सफल कार्यकर्ता वही होता है जो सेवाभावी होता है।

–आचार्य श्री तुलसी

सिद्धपुरुष ने अपने भक्त से कहा – मैं तुम्हारे पर प्रसन्न हूँ। कुछ मांगो।

भक्त बोला – कुछ नहीं चाहिए।

सिद्धपुरुष ने देखा, यह कैसा भक्त ! अमूल्य क्षण को खो रहा है। पुनः मांगने के लिए आग्रह किया।

भक्त बोला – यदि आप देना ही चाहते हैं तो यह वरदान दें कि मेरे मन में चाह उत्पन्न ही न हो, मांग रहे ही नहीं।

सच्चाई का साक्षात्कार होते ही मांग पूरी हो जाती है। चाह समाप्त हो जाती है। जब तक सच्चाई का अवबोध नहीं होता तब तक मांग कभी पूरी होती ही नहीं, चाह मिटती ही नहीं।

–आचार्य श्री महाप्रज्ञ

- मधुर बोलना अच्छा है, पर मधुरता के लिए झूठ बोलना अच्छा नहीं है।
- सोच कर करना और करने के बाद सोचना दोनों में बहुत बड़ा अंतर है।
- अपनी शक्ति को पहचानो। उसकी रक्षा करो। उसका विकास करो और उसका सही उपयोग करो। यह किसी के विनाश का साधन न बने, किसी के विकास का माध्यम ही बने।

–आचार्य श्री महाश्रमण

महिला समाज को यदि शक्ति सम्पन्न बनाना है तो आसान तरीकों से काम करने की मनोवृति को बदलना होगा। जो भी कठिनाइयां, समस्याएं सामने आए उनसे जूझते हुए आगे बढ़ना होगा। तेरापंथ समाज की महिलाओं के लिए कठिन मार्ग पर चलना और समस्याओं का सामना करना, मुकाबला करना बड़ा आसान काम है। जहां भी कठिनाई आएगी, उन्हें ऐसा संकेत मिलेगा, ऐसी–शक्ति मिलेगी, जिसके बल पर वे उन्हें पार कर जाएगी।

–साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

करणीय कार्य - अगस्त

EMPOWERMENT

navigate YOUR GOAL करें लक्ष्य का निर्धारण

START

GOAL

बहनों, Empowerment कार्यशाला की श्रृंखला में हम पहुँच चुके हैं दसवें पायदान पर और गंतव्य स्थान तक पहुँचने में अभी सिर्फ एक ही पडाव शेष है तो आईये जाने कितना है दम में दम, लक्ष्य की ओर कितने आगे बढ़े हम।

आधुनिक तकनीकी के इस युग में गंतव्य स्थान तक पहुँचने के लिए GPS का प्रयोग किया जाता है Empowerment यात्रा के अंतर्गत संस्था सशक्तिकरण का GPS है वार्षिक अधिवेशन बहनों, इस माह करें वार्षिक अधिवेशन का आयोजन और वर्ष भर की गति-प्रगति का करें अवलोकन

Growth... Progress... Success...

GROW TOGETHER

चलें हम संग-संग
हर प्रयास में भरे विकास के रंग

- कार्यकर्त्ताओं को करें Activate
- एक-दूसरे को करें Motivate
- समय-समय पर करें Appreciate

जरा सोचे ......
क्या हमने ऐसा किया?
यदि नहीं तो अब करना शुरू करें।

PROGRESS TOGETHER

सही दिशा में करें गति
पारस्परिक सहयोग से हो प्रगति

- आपसी Co-ordination, सफल हर Action
- Work Deligation, Best Solution

SUCCEED TOGETHER

कदम बढ़ाएं, सफलता पाएं

- सौहार्द का संवर्धन, श्रेय का विसर्जन (No I only We)
- कदम से कदम मिलाएं 100% सफलता पाएं

आओ मिलकर विचार करें.....क्या ऐसा हुआ? यदि नहीं तो संकल्प करें आज से करेंगे।

वार्षिक अधिवेशन के अंतर्गत करें साधारण सभा का आयोजन

मजबूत संगठन : संस्था प्रबंधन

- प्रस्तुत करे मंत्री प्रतिवेदन
- करें संविधान का वाचन
- देखें आय व्यय का दर्पण
- सीखें रजिस्टर प्रबंधन

इस माह का संकल्प - प्रतिदिन रात्रि भोजन का त्याग

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का 43वां वार्षिक अधिवेशन 3, 4 एवं 5 अक्टूबर 2018 को चैन्नई में

परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी के मंगल सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का 43वां राष्ट्रीय अधिवेशन आगामी दिनांक 3, 4,5 अक्टूबर 2018 को माधावरम, चैन्नई में समायोजित है।

- 3 अक्टूबर 2018 बुधवार को प्रातः 7 बजे से रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ होगा।
- 4 अक्टूबर 2018 गुरुवार को साधारण सभा का आयोजन होगा।
- 5 अक्टूबर 2018 शुक्रवार को दोपहर में (प्रथम सत्र के पश्चात्) अधिवेशन का समापन होगा।
- 3 अक्टूबर 2018 सुबह से 5 अक्टूबर 2018 सुबह तक आवास की व्यवस्था रहेगी।
- आपके सामान रखने हेतु क्लॉक रूम की व्यवस्था शाम 5 बजे तक उपलब्ध रहेगी। तत्पश्चात् हमारी जिम्मेदारी नहीं होगी।
- बड़े क्षेत्र से 7 तथा छोटे क्षेत्र से 4 बहनें प्रतिनिधि के रूप में भाग ले। अध्यक्ष, मंत्री व पदाधिकारी का आना अनिवार्य है।
- रजिस्ट्रेशन केवल पदाधिकारीगण का ही होगा।
- रजिस्ट्रेशन शुल्क प्रत्येक प्रतिनिधि के लिए 500/- रू. रहेगा।
- अपने-अपने क्षेत्र का कन्या मंडल व महिला मंडल का मान्यता पत्र अवश्य साथ में लायें।
- आभूषण व कीमती सामान की सुरक्षा की जिम्मेदारी आपकी होगी। कृपया सादगी व संयम का परिचय दें।
- अधिवेशन के दौरान सभी सत्रों में गणवेश पहनना अनिवार्य है।
- ओढ़ने-बिछाने के वस्त्र एवं सामायिक उपकरण साथ में अवश्य लायें।
- अधिवेशन के दौरान अनुशासित व सशक्त कार्यकर्ता का परिचय देना है।
- अधिवेशन में आने हेतु अपने आगमन की स्वीकृति 5 सितम्बर 2018 तक महामंत्री कार्यालय में अवश्य दें।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :-

07299755866
श्रीमती कमला गेलड़ा
अध्यक्ष, चैन्नई म.मं.

09840040446
श्रीमती उषा बोहरा
राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य

08610179771
श्रीमती शान्ति दुधोड़िया
मंत्री, चैन्नई म.मं.

समस्या / समाधान

आज हर व्यक्ति किसी न किसी पारिवारिक, मानसिक या भावनात्मक समस्या से ग्रस्त है। समस्या से निजात सब पाना चाहते हैं पर अपनी निजता (Privacy) को बनाए रखने के लिए हम इन समस्याओं को किसी के साथ साझा नहीं करना चाहते। ये समस्याएं तनाव व घुटन पैदा करती है। ऐसे में अ.भा.ते.म.मं. द्वारा **Online Healing and Counselling** की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है।

- आप अपने **Mobile** पर **ABTMM app download** कीजिए।
- **Option** पर **Click** करिए।
- **Healing & Counselling Section (Tab)** पर **Click** करिए।
- **Post Your Query** पर जाकर अपनी समस्या लिख कर **Post** कर दीजिए।

Expert Counsellor द्वारा आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा। बहनों ! हम आपको आश्वासन दिलाना चाहते हैं कि आपकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी। आपके नाम का कहीं भी उल्लेख नहीं किया जाएगा।

बेटियों के बढ़ते कदम - फहराएं विकास के परचम

प्यारी बेटियों,

सादर जय जिनेन्द्र !

अगस्त का महिना चातुर्मास का प्रारंभ काल। ये महिना तप और संयम का है अतः इस माह में कुछ न कुछ त्याग, प्रत्याख्यान अवश्य स्वीकार करे ताकि हम आत्म विकास कर सके। साथ ही यह महिना देश की स्वतंत्रता का भी है। वर्तमान में हम आजादी की सांसें ले रहे है जिसके लिए कई वीर जवानों ने अपनी सांसे कुर्बान की है। इस माह को देश के नाम समर्पित करते हुए एक लेख प्रतियोगिता का आयोजन करे जिसका विषय है –

आजादी के लिए वीरों ने दी जान, क्या हम रख पाये उसकी शान।

लेख में

1. देश की वर्तमान स्थिति
2. देश की समस्या
3. समस्या का समाधान

इन बिन्दुओं को प्रकाशित करें। शब्द सीमा 300 शब्द रहेंगे और प्रथम तीन को पुरस्कृत करें।

आपकी दीदी
मधु देरासरिया

दक्षिणांचल कन्या कार्यशाला ''पहचान'' *Aspiring A New Me*

- दिनांक 17, 18, 19 अगस्त 2018 को परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में दक्षिणांचल कन्या कार्यशाला ''पहचान'' का आयोजन किया जायेगा। कार्यशाला में तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा, एवं केरला से कन्याएं अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बने।
- रजिस्ट्रेशन 17 अगस्त को प्रातः 8 बजे से शुरु हो जायेगा।
- सभी सत्र में गणवेश अनिवार्य है।
- तेरापंथ प्रबोध की तैयारी कर के आये (65 पद्य एवं गद्य)।
- दक्षिणांचल कन्या मंडल अपना मान्यता पत्र अवश्य लेकर आये और बाकी क्षेत्र (दक्षिणांचल को छोड़कर) महिला मंडल के अधिवेशन में महिला मंडल के साथ अपना मान्यता पत्र अवश्य भेजें।

परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में चैन्नई में अ.भा.तै.म.मं. के आगामी महत्वपूर्ण आयोजन

3, 4, 5, अक्टूबर 2018 को 43 वाँ राष्ट्रीय महिला अधिवेशन।

22 सितम्बर 2018 से 4 अक्टूबर 2018 तक जैन स्कॉलर योजना के द्वितीय सत्र की छठी कार्यशाला।

30 सितम्बर तथा 1 व 2 अक्टूबर को तत्वज्ञान के छठें वर्ष और तेरांपथ दर्शन के पांचवे वर्ष की विशेष मौखिक व लिखित परीक्षाओं तथा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन। तत्वज्ञान व तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम के फाइनल वर्ष के परीक्षार्थी 30 सितम्बर को सुबह चैन्नई पहुँचे। (शिविर मध्यान्ह 2 बजे से आरम्भ होगा) आवास व्यवस्था 2 अक्टूबर 2018 को मध्यान्ह तक उपलब्ध करवायी जायेगी।

''उत्थान'' त्रिदिवसीय विराट युवती सम्मेलन

नारी जाति के उन्नायक गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी की पुण्यतिथि पर नैतिकता का शक्तिपीठ, गंगाशहर में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी के मंगल आशीर्वाद व मातृहृदया साध्वीप्रमुखाश्रीजी की मंगल प्रेरणा से महिलाओं का महाकुंभ विराट युवती सम्मेलन ''उत्थान'' का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में प्रधान ट्रस्टी श्रीमती सायर बैंगानी के मार्गदर्शन में उत्थान निर्देशिका श्रीमती सूरज बरड़िया के ऊर्जावान व कुशल निर्देशन में महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया व उत्थान संयोजिका श्रीमती पुष्पा बैद व सह संयोजिका श्रीमती सरिता डागा की श्रमशील संयोजना में त्रिदिवसीय सम्मेलन को पूरे देश से संभागी बनी युवतियों ने सफलतम बनाया। बहुआयामी इस आयोजन में विभिन्न सत्रों के माध्यम से युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया साथ ही उनके भीतर की कला को उजागर करने वाले आयोजनों द्वारा उन्हें प्रेरित किया गया। घूँघट में लिपटी नारी के ''उत्थान'' के लिए पूज्य गुरुदेव श्री तुलसी द्वारा दी गयी प्रेरणा और कार्यों को परिलक्षित करता यह सम्मेलन उनके प्रति ही समर्पण दर्शाता अ.भा.ते.म.मं. का एक छोटा सा प्रयास था। संभागी बहनों ने गुरुदेव को अपनी आस्था का भावभरा अर्घ्य चढ़ा कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

पत्रकार संगोष्ठी

''उत्थान'' सम्मेलन की पूर्व संध्या पर नेशनल राजस्थान, राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर आदि विभिन्न समाचार पत्रों के लगभग 25 पत्रकारों के साथ प्रेस कांफ्रेंस की गयी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, ''उत्थान'' निर्देशिका व राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सूरज बरड़िया, 'उत्थान' संयोजिका व रा.उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद व सह संयोजिका व रा.कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, सहमंत्री श्रीमती रंजु लुणिया, प्रचार-प्रसार मंत्री श्रीमती प्रभा घोड़ावत के साथ शांति प्रतिष्ठान अध्यक्ष श्री लूणकरणजी छाजेड़, मंत्री श्री जतनजी दुगड़, ट्रस्टी श्री डालचंदजी भूरा आदि गणमान्य व्यक्तियों ने प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया तथा उसमें अभातेममं की गतिविधियों, योजनाओं, सम सामायिक परिस्थितियों में सार्थकता एवं सम्मेलन के उद्देश्य की विस्तृत जानकारी दी।

अभ्युदय सत्र :

स्वर्णिम प्रभात में तेरापंथ भवन, गंगाशहर में 'उत्थान' युवती सम्मेलन के शुभारम्भ का शंखनाद शासनश्री साध्वी संयमश्रीजी के मुखारविंद से महामंत्रोच्चार के साथ हुआ। ''उत्थान'' का विधिवत उद्घाटन अभातेममं के पदाधिकारीगण एवं कार्यसमिति सदस्यों के द्वारा उत्थान गीत के साथ हुआ। मंगलमय मंगलाचरण गंगाशहर महिला मंडल व कन्या मंडल के समवेत स्वरों के साथ हुआ। चीफ ट्रस्टी श्रीमती सायर बैंगानी ने 'उत्थान' का आह्वान करते हुए कहा कि नारी जाति के उन्नायक आचार्यश्री तुलसी का दिव्याशीष सदैव महिला समाज के साथ है। वर्तमान में आचार्य महाश्रमणजी की पावन सन्निधि एवं महाश्रमणी साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी की प्रेरणा से नारी समाज निरन्तर प्रगति कर रहा है। हमें संघ का, शक्ति का, स्वयं का, संस्कारों का सार्थक दिशा में उत्थान करना है। मातृ हृदया असाधारण साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के मंगल संदेश का वाचन ट्रस्टी श्रीमती शांता पुगलिया ने किया। निर्देशिका श्रीमती सूरज बरड़िया ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में कहा कि नया मोड़ से जो राजपथ गुरुदेव श्री तुलसी नारी समाज के लिए बनाकर गये हैं, हमें उस पर निरन्तर चलते हुए अपना चहुँमुखी उत्थान करना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि हमारे भीतर उत्थान का जुनून बना रहे लेकिन वो जुनून गुरुदेव तुलसी ने नारी समाज के लिए जो सपने देखे थे उसे पूर्ण करने की दिशा में हो। आचार्य तुलसी ने उत्थान की जो राह प्रशस्त की, जो नई राह दिखाई, जिस पर चलकर हमनें उड़ान भरी है, उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने, श्रद्धा का अर्घ्य चढ़ाने का एक प्रयास है, गंगाशहर की पुण्य धरा पर आयोजित यह सम्मेलन। जो विश्वास उस विश्व संत ने हमारे महिला समाज पर दिखाया, उस पर खरा उतरने के लिए हमें पारिवारिक स्थितियाँ जो आज है, उनमें बदलाव लाना होगा, सम्यक्त्व को पुष्ट करते हुए संस्कारों का उत्थान करना होगा।

इसी क्रम में सम्मानित अतिथि भारतीय स्काउट गाइड की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती बिमला दुकवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें अपनी ऊर्जा का, अपनी शक्ति का संवर्धन करना होगा। इसके लिए योगक्षेम को अपनाना पड़ेगा। महिला सृजन की शक्ति है जो ऊर्जावान एवं संस्कारित समाज का सृजन कर सकती है। विशेष अतिथि श्रीमती रचना भाटिया (उपनिर्देशिका-महिला बाल विकास, बीकानेर) ने अपने वक्तव्य में कहा कि 'अहिंसा के द्वारा सृष्टि का उत्थान संभव है। ''उत्थान'' का नाम आंतरिक सौंदर्य को प्रस्तुत करता है, जो आरोहण करने की प्रेरणा देता है। उत्थान का सफर अभी शुरु हुआ है, मंजिल बाकी है। संकल्प के साथ आगे बढ़कर मंजिल को पा सकते हैं। साध्वी विनम्रयशाजी ने शासनश्री साध्वी पानकुमारीजी के मंगल संदेश का वाचन किया। साध्वी श्री संयमप्रभाजी ने अपने मंगल उद्बोधन में फरमाया कि महिला मंडल निरन्तर अपना बौद्धिक विकास कर रहा है। इसके साथ-साथ सेवा, सौहार्द व सहिष्णुता का त्रिवेणी संगम हो जाए तो अपने जीवन में इंद्रधनुषी रंग भरा जा सकता है। आचार्य तुलसी के भरोसे पर भरोसा करके, जितना उत्थान किया है, उससे भी ज्यादा आत्मोत्थान की दिशा में अग्रसर होना है।

अभ्युदय सत्र में समणी मधुरप्रज्ञा ने इस विषय में विशेष प्रशिक्षण देते हुए कहा कि भगवान महावीर ने आचारांग सूत्र में कहा है कि हमें समस्या का समाधान खोजना है, तो समस्या के मूल तक जाना होगा। उत्थान करने से पहले पतन के कारणों को खोजकर उनका निवारण करना जरूरी है। तनाव, चिंता, नकारात्मक विचार, भाव हमारे जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। इन तत्त्वों का निवारण करके निरन्तर परिष्कृत जीवन जीने का अभ्यास करना होगा। हमें अपने भीतर-बाहर दोनों को संतुलित करना होगा। उत्थान कैसे हो? मजबूत मनोबल वाला ही अपना उत्थान कर सकता है। आचारांग सूत्र में कहा है कि ''अप्पाणं विप्पसायए'' अपने आपको प्रसन्न रखें, शुभ भावों से आध्यात्मिक, भावनात्मक, बौद्धिक विकास कर अपने जीवन, परिवार, समाज व संघ के उत्कर्ष की ओर गतिमान हो। आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री लूणकरण छाजेड़ ने सम्मेलन में समागत सभी अतिथियों, राष्ट्रीय अध्यक्ष व उनकी टीम एवं सुदूर क्षेत्रों से उपस्थित बहनों का स्वागत किया। तेममं गंगाशहर अध्यक्ष श्रीमती मंजु आंचलिया ने भी सभी के प्रति अपने स्वागतोद्गार व्यक्त किये। ''कोयलिया स्वर लहराये मन मधुवन महकाये'' गीत के द्वारा गंगाशहर महिला मंडल ने सभी का भावभरा अभिनंदन किया। इसी क्रम में पधारे हुए अतिथियों का स्मृतिचिन्ह देकर सम्मान किया गया। इस सत्र का सफल संचालन प्रतिभावान महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने किया।

ऊर्जा सत्र

पूज्य गुरुदेव श्री तुलसी के प्रेरणादायी जीवन वृत्त को सभी जाने और अपना ज्ञानवर्धन करे इस उद्देश्य के साथ उत्थान संयोजिका श्रीमती पुष्पा बैद के निर्देशन में ''जाने तुलसी को'' (तुलसी प्रबोध पर आधारित) लिखित प्रतियोगिता दोपहर में ऊर्जा सत्र के दौरान आयोजित की गयी। 70 बहनों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रीमती नयनतारा नाहर, द्वितीय स्थान श्रीमती रतन सुराणा व श्रीमती जयंती सिंघी तथा तृतीय स्थान श्रीमती सुमन छाजेड़ व श्रीमती मीना मेहता ने प्राप्त किया। श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा, श्रीमती रचना हिरण व श्रीमती निर्मला चंडालिया का सहयोग रहा।

आरोहण सत्र

उर्वर मेधा, गहन चिंतन से महिलाओं में नव ऊर्जा की स्फुरणा करने वाली 'उत्थान' की निर्देशिका श्रीमती सूरज बरड़िया के निर्देशन एवं श्रावकत्व का मुखर रूप, नव आयामों से मंडल को विकास की नई ऊँचाईयां प्रदान करने वाली राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में द्वितीय सत्र का शुभारंभ इंदौर महिला मंडल के मंगल संगान के साथ हुआ।

इस विशेष सत्र में समणी परिमल प्रज्ञा ने विषय के संदर्भ में कहा कि जानना अलग बात है और उसे आत्मसात करना अलग। आपका रिश्ता स्वयं के साथ, दूसरों के साथ, आत्मा के साथ कैसा हो। जरूरी है अपने को पहचाने, खुद से प्यार करना सीखें, स्वयं को खुश रखें। दूसरों के साथ प्रशंसा, स्नेह, आपसी संवाद, सहिष्णुता का व्यवहार हो जाए तो रिश्तों में मजबूती आ जायेगी।

आरोहण सत्र का दूसरा महत्वपूर्ण आयोजन था **U-Turn** टॉक शॉ। **U-Turn** टॉक शॉ में पैनलिस्ट बने समणी मधुर प्रज्ञाजी, चीफ ट्रस्टी श्रीमती सायर बैंगानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, ट्रस्टी श्रीमती सूरज बरडिया, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, मुख्य अतिथि श्रीमती प्रभा मालू आदि। इस शो में माडरेटर रा.का.स. श्रीमती जयश्री बडाला, ई-मीडिया प्रभारी श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने समय प्रबंधन, बच्चों को तनाव मुक्त बना कैसे उनका भविष्य सुनहरा बनाया जा सके आदि विषयों पर सदन के साथ चर्चा-परिचर्चा की। सदन की जिज्ञासाओं का समाधान पैनलिस्ट द्वारा सुंदर तरीके से किया गया और बताया कि हमें **U-Turn** लेना है, हमारी दैनिक परिचर्या में, खान-पान में, पहनावे में, संस्कार निर्माण में, आध्यात्मिक जागरूकता में, समय नियोजन में। इस सत्र का सुंदर संचालन सहमंत्री श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा ने किया।

आस्था सत्र

इस सत्र का शुभारंभ भीनासर महिला मंडल द्वारा सामायिक गीत की सुन्दर प्रस्तुति के साथ हुआ। गुरु इंगित के प्रति पूर्ण समर्पण भाव रखते हुए शनिवार को सायं 7 से 8 सामूहिक आराधना की गई। मुमुक्षु डॉ. शांता जैन ने सामायिक-आत्मा का उत्थान, समता का सोपान विषय पर विशेष प्रशिक्षण देते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि सामायिक अपने आपका पुर्नजन्म है, स्वयं की स्वयं से पहचान सामायिक है। समता की साधना सामायिक है। जिससे जीवन में परिवर्तन घटित हो, वैसी सामायिक आराधना करनी चाहिए। सामायिक निश्छिद्र होनी चाहिए। रा.का.स. डॉ. पुखराज सेठिया ने कुशल मंच संचालन किया।

आलोक सत्र

जोधपुर महिला मंडल के मंगल स्वरों से सत्र का शुभारम्भ किया गया। तुलसी प्रबोध पर ही आधारित प्रतियोगिता का आयोजन आलोक सत्र में किया गया। ''कौन बनेगा तुलसी ज्ञाता'' कार्यक्रम की संरचना ''कौन बनेगा करोड़पति'' के आधार पर गयी जिसे बड़े ही रोचक व सुव्यवस्थित ढ़ंग से चेन्नई से समागत श्री राकेशजी खटे़ड, श्री राजेशजी खटेड़, सुश्री याशिका खटेड़ व टीम ने संचालित की। कुल 6 राउंड में हुई इस प्रतियोगिता में 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया व 7 प्रतिभागी **Hot Seat** पर पहुँचे। ज्ञानवर्धन के साथ मनोरंजन रूप से आयोजित इस **Quiz** प्रतियोगिता में बहनों ने बड़े ही उत्साह व जोश से भाग लिया तथा प्रतियोगियों के साथ-साथ दर्शकों को भी यह प्रतियोगिता रोमांचित कर गयी। मध्यांतर में दर्शकों को भी प्रश्न पूछे गये। श्रीमती संजु दुगड़ (सरदारशहर) इस प्रतियोगिता की विजेता रही। सभी ने इस प्रतियोगिता को खूब सराहा। श्रीमती प्रभा घोड़ावत द्वारा सुंदर सत्र का संचालन किया गया। विजेता बहन को 11000 रू. की राशि व मोमेंटों से तथा **Hot Seat** पर आने वाली सभी बहनों का मोमेंटों एवं समस्त संभागी बहनों को सर्टिफिकेट देकर सम्मान किया गया।

आराधना सत्र

इस भव्य आयोजन में ग्रीष्म ऋतु के परीषह के बावजूद भी उत्साह एवं श्रद्धा के साथ संभागी सभी बहनें 1 जुलाई को आचार्य तुलसी की 22 वीं पुण्यतिथि पर अपने आराध्य की अभ्यर्थना करने के लिए सामूहिक जप हेतु आचार्य तुलसी समाधि स्थल नैतिकता का शक्तिपीठ पर पहुँची और राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ जप अनुष्ठान में संभागी बनी। श्रीमती अदिति सेखानी द्वारा इसका संयोजन किया गया। इस विशेष दिवस पर आचार्य तुलसी ने जो विसर्जन का मार्ग बताया उस मार्ग पर निरन्तर गतिमान रहे, इस उद्देश्य के साथ विसर्जन रैली का भव्य आयोजन किया गया। 900 बहनें इस रैली का हिस्सा बनी और तेरापंथ भवन से लेकर समाधि स्थल तक पूर्ण अनुशासित रूप से रैली निकली। रैली के सम्पूर्ण आयोजन में आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान तथा गंगाशहर, बीकानेर महिला मंडल का विशिष्ट सहयोग रहा।

भारत सरकार के स्वच्छता अभियान की ब्रांड एम्बेसडर अभातेममं ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत ''ग्रीन इंडिया – क्लीन इंडिया'' मिशन के संदेश को अनूठे ढंग से प्रस्तुत किया। **Largest Human Depication of Cloud** बनाकर और इसके साथ ही एक और विश्व कीर्तिमान बनाने की तरफ अग्रसर हुआ। श्रीमती नीतू ओस्तवाल के निर्देशन में यह कार्य सानंद सम्पन्न हुआ।

अभिवंदना सत्र

समाधि स्थल पर आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित मुख्य कार्यक्रम अभिवंदना का मंगल शुभारम्भ नौखा महिला मंडल के मंगल स्वरों से हुआ। कार्यक्रम में मुनिश्री श्रेयांस कुमारजी, मुनिश्री शांतिकुमारजी, साध्वीश्री गौरवप्रभाजी, साध्वीश्री परमयशाजी, साध्वीश्री सहजप्रभाजी, साध्वीश्री विशदप्रज्ञाजी, समणी मधुर प्रज्ञाजी, मुमुक्षु डॉ.

विराट युवती सम्मेलन "उ

अभातेमम द्वारा आयोजित विराट

द्वितीय सत्र -U Trun : उत्थान का अ

महत्वपूर्ण है जिंदगी किसकी है। आपका रिश्ता स्वयं के साथ ,रिश्ता दू
आप अपने अस्तित्व को पहचाने ,खुद से प्यार करना सीखे ,स्वयं को खु
,सहिष्णुता का व्यवहार हो जाए तो रिश्तो में मजबूती आएगी ।
पापभीरुता ,स्वाध्याय आदि की आवश्यकता है ।

इसी क्रम में U Trun Talk- show कार्यक्रम में एक पैनल का
समणी मधुर प्रज्ञा जी ,चीफ ट्रस्टी श्रीमती सायर बैंगानी ,ट्रस्टी व सम
अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ,महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ,मु
माध्यम से मॉडरेटर श्रीमती जयश्री बड़ाला ,श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने
भविष्य को सुनहरा बना सकते हैं आदि विषयों पर सदन के साथ च
साथ भाग लिया ।

सभी पैनलिस्ट ने सदन की जिज्ञासाओं का सुन्दर समाधान करते हुए ब
में, खान -पान में पहनावे में , संस्कार निर्माण में ,अध्यात्म के प्रति
संस्थाओं से पधारे हुए अतिथियों का साहित्य से सम्मान किया
विजयलक्ष्मी भूरा ने किया ।

त्थान'' की कुछ झलकियां

अपना शहर

DNR

www.nationalrajasthan.com

नेशनल राजस्थान

महिला सशक्तिकरण में तुलसी का महत्वपूर्ण योगद

समारोह...

आचार्य तुलसी की 22वीं पुण्यतिथि पर सोमवारक के साथ मुख्य समारोह हुआ आयोजित

आचार्य ने पढ़ाया चरित्र निर्माण का पाठ

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जप का आयोजन

प्रदर्शनी का उद्घाटन

युवती सम्मेलन "उत्थान'

धार -स्वस्थ बनें परिवार

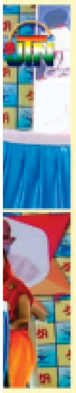

30 जून 2018। उर्वर मेधा , गहन चिंतन से महिलाओं में नव ऊर्जा की स्फुरणा करने वाली "उत्थान' युवती सम्मेलन की निर्देशिका श्रीमती सूरज बरडिया के निर्देशन एवम् राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में द्वितीय सत्र का शुभारंभ हुआ । आरोहण सत्र का प्रारम्भ इंदौर महिला मंडल के मंगल संगान के साथ हुआ ।

इस विशेष सत्र में समणी परिमल प्रज्ञाजी ने विषय के सन्दर्भ में कहा कि जानना अलग बात है और उसे आत्मसात करना अलग बात है । रिश्तों के ऊपर पनपती है जिंदगी । रिश्तों में गलती किसकी यह महत्व पूर्ण नहीं है रों के साथ ,रिश्ता आत्मा के साथ कैसा हो ।जरूरी है श रखें । दूसरों के साथ प्रशंसा ,स्नेह ,आपसी संवाद आत्मा के साथ सम्बन्ध मजबूत बनाने के लिए

निर्माण किया गया ।पैनलिस्ट बने समणी निर्देशिका मलेन की निर्देशिका श्रीमती सूरज बरडिया , राष्ट्रीय ख्य अतिथि श्रीमती प्रभा मालू आदि ।इस शो के समय प्रबन्धन ,बच्चों को तनाव मुक्त कैसे बनाएं, कैसे र्या -परिचर्चा की । बहनों ने बहुत रुचि व उत्साह के

या कि हमें U-Turn लेना है हमारी दैनिक परिचर्या ागरुक बनने में ,समय नियोजन में । अन्य महिला या ।कार्यक्रम का सुंदर संचालन सहमंत्री श्रीमती

समारोह | आचार्य श्री तुलसी की 22 वीं पुण्यतिथि पर निकाली रैली, हुआ अखंड जाप, स्वच्छता का संदेश देते हुए बनाया बादल का आकार

नैतिकता के साथ देश व समाज में मौजूद विसंगतियों और समस्याओं का समाधान कर बना जा सकता है युग पुरुष

निर्वाण सत्र के साथ आज होगा तीन दिवसीय समारोह का समापन

ग्रीन इंडिया-क्लीन इंडिया संदेश देते हुए बनाया बादल का आकार

निकाली रैली, हुआ जप और सामूहिक सामयिक का आयोजन

पुण्यतिथि पर निकाली शोभायात्रा...

महिला सशक्तीकरण में आचार्य तुलसी का महत्वपूर्ण योगदान

बीकानेर @ पत्रिका. आचार्य तुलसी की 22वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को सुबह विसर्जन रैली तेरापंथ भवन से निकली जो गंगाशहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए नैतिकता का शक्तिपीठ पहुंची। रैली में देशभर से आई किशोर मण्डल, कन्या मण्डल, महिला मण्डल, अणुव्रत समिति की सदस्याओं ने भाग लिया।

मुख्य समारोह से पूर्व सुबह 6 बजे अखण्ड जप प्रारम्भ हुआ जो सायं 6 बजे तक निरन्तर चला। नैतिकता का शक्तिपीठ में सैकड़ों जनों ने अखण्ड जप में भाग लिया। सुबह 9 बजे अणुव्रत मंच पर मुख्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री डॉ. बीडी कल्ला थे। समारोह की अध्यक्षता नगर निगम महापौर नारायण चौपड़ा ने की। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई।

मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि महिला सशक्तीकरण में आचार्य तुलसी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। बीकानेर में अणुव्रत के नाम से भवन बनाने का प्रयास करें। डॉ. बीडी कल्ला ने कहा कि आचार्यश्री तुलसी ने अणुव्रत के माध्यम से नैतिकता और चरित्र निर्माण का पाठ पढ़ाया वह अनुकरणीय है। समणी मधुरप्रज्ञा ने कहा कि आचार्यश्री तुलसी में नेतृत्व का असीम गुण था।

मुनि शान्तिकुमार, मुनिश्री, साध्वी डॉ. परमयशा, संयमप्रभा, चरणप्रज्ञा, आचार्यश्री महाप्रज्ञ ने संबोधन दिया। शान्ति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष जैन लूणकरण छाजेड़ ने अतिथियों का स्वागत किया।

900 बहनें बनीं संभा

बीकानेर @ पत्रिका. तेरापंथ धर्मसंघ के नवमाधिशास्ता आचार्य तुलसी की 22वीं पुण्यतिथि और अभातेममं की ओर से आयोजित विराट युवती सम्मेलन के दूसरे दिन रविवार को आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान में अभ्यर्थना का आयोजन सामूहिक जप के साथ हुआ। इसका संयोजन अदिति सेखानी ने बताया कि इस दौरान विसर्जन रैली का आयोजन किया गया। इसमें 900 बहनें संभागी बनीं। केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल ने आचार्य तुलसी के आदर्शों की चर्चा करते हुए बताया कि कैसे गुरुदेव ने उनके जीवन को प्रभावित किया। विश्व कौशिल बनाने की ओर एक कदम भारत सरकार के स्वच्छता अभियान को ग्रीन अम्बेसडर अधयोमनं ने ग्रीन

इंडिया क्लीन इंडिया मि... अनुसरण करते हुए धूम्र ... और क्लाउड बनाकर ... कौशिल स्थापित किया ... 900 बहनें संभागी बनीं ... स्थल पर आयोजित अभि... कार्यक्रम का मंगल शुभा... महिला मंडल के मंगल ... हुआ। मुनि श्रेयांस कुम... कुमार, शैल प्रभा, साध्वी ... विशदप्रज्ञा समणी मधुरप्र... डॉ. शांता आदि ने गुरु के प्र... भावांजलि अर्पित की। क... राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद ... महामंत्री नीलम सेठिया, ट्र... बैंगानी, शांति प्रतिष्ठान के ... लूणकरण छाजेड़, महावीर ... चोपड़ा, बीडी कल्ला आ... अपनी भावनाएं व्यक्त की।

पत्रिका Mon, 02 July 2018

शांता जैन सभी ने अपने गुरु के प्रति भावांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने नारी जाति के उद्धारक आचार्य तुलसी के प्रति अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि आचार्य तुलसी के व्यक्तित्व, कर्तृत्व, नेतृत्व को उपमाओं से उपमित नहीं किया जा सकता। 22 वर्ष की उम्र में आचार्य बनकर संघ को मेरू सी ऊँचाईयां प्रदान करने वाले आचार्य तुलसी की 22 वीं पुण्यतिथि पर आयोजित इस सम्मेलन हेतु आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान परिवार व सहयोगी संस्थाओं का हार्दिक आभार ज्ञापित किया। साथ ही बताया कि अभातेममं आचार्य तुलसी कैंसर हॉस्पिटल बीकानेर के बीएमटी यूनिट में एक कमरे का अनुदान श्री सुरेन्द्र बोरड़-पटावरी बेल्जियम के सहयोग से देगा एवं हॉस्पिटल में आ.महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल बनाने की अनुमति भी प्राप्त की तथा गंगाशहर बालिका विद्यालय में श्रीमती सुषमा पींचा के सहयोग से वेंडिग मशीन भेंट की गयी है। अभिवंदना के क्रम में महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने कहा कि आचार्य तुलसी ने तेरापंथ के ललाट को ज्योतिर्मय महादीप बनकर आलोकित किया। अपने प्रज्ञा पराग से जन-जन को सुरभित किया। समग्र नारी जाति की तरफ से महामंत्री ने भावविभोर करने वाली काव्यात्मक अभिवंदना प्रस्तुत की। चीफ ट्रस्टी श्रीमती सायर बैंगानी ने कहा कि आ.तुलसी जीवन्त व्यक्तित्व है जो कल थे, आज है और हमेशा रहेंगे। विराट व्यक्तित्व के धनी गुरुदेव को शब्दों में माप नहीं सकते। शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री लूणकरण जी छाजेड़, महापौर श्री नारायणचंद चौपड़ा, पूर्व मंत्री डॉ. श्री बी.डी.कल्ला आदि ने अपनी भावनाएं व्यक्त की। मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री श्री अर्जुनजी मेघवाल ने ''तुलसी मेरी दृष्टी में'' के अंतर्गत उनके अवदानों की चर्चा करते हुए बताया कि किस तरह आचार्य तुलसी ने उनके जीवन को प्रभावित किया। इस अवसर पर सुश्री प्रज्ञा नौलखा के निर्देशन में कन्यामंडल व ज्ञानशाला (गंगाशहर, बीकानेर, भीनासर) द्वारा उत्थान परेड की सुंदर प्रस्तुति दी गई। अभातेममं द्वारा श्री अर्जुनजी मेघवाल, श्रीमती प्रभा मालू का सम्मान किया गया। आभार ज्ञापन श्री सुशील चौपड़ा ने किया। इस कार्यक्रम का सुव्यवस्थित सत्र संचालन ''उत्थान'' निर्देशिका श्रीमती सूरज बरड़िया ने किया।

आरोग्य सत्र

महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने वाले इस सत्र का शुभारम्भ आमेट महिला मंडल के मंगलाचरण से हुआ। ''उत्थान'' के लिए आरोग्य भी जरूरी है महिलाएं घर-बाहर दोहरी जिम्मेदारी निभा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए आरोग्य सत्र में डॉ. धीरज मरोठी, डॉ. महेन्द्र नरवारिया ने क्रमशः घुटनों एवं मोटापे से संबंधित रोगों व रोग निदान की जानकारी दी। बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान भी डॉ. द्वय ने किया। इस सत्र में श्रीमती अदित सेखानी, श्रीमती निधि सेखानी व श्रीमती सोनम बागरेचा द्वारा संस्था की योजनाओं पर बनाई गई डॉक्यूमेंटरी फिल्म भी दिखाई गई। सहमंत्री रंजू लूणियां ने इस सत्र का बखूबी संचालन किया।

अभ्यर्थना सत्र

''भक्ति संध्या-एक शाम तुलसी के नाम'' का मंगलमय शुभारम्भ अभातेममं के पदाधिकारी व कार्यसमिति सदस्यों के ''महाप्रयाण का यह अवसर श्री तुलसी को याद करे'' गीत के मंगल स्वरों के साथ हुआ। श्रीमती निर्मला चंडालिया द्वारा संयोजित इस कार्यक्रम में अभातेममं की गंगाशहर, मुम्बई, जयपुर, सूरत आदि शाखा मंडलों ने शब्द चित्र, कव्वाली, म्यूजिकल एक्ट आदि के द्वारा आचार्य तुलसी के जीवनवृत व अवदानों पर रोचक प्रस्तुतियां दी। गीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम श्रीमती विजयलक्ष्मी सेठिया, द्वितीय सुश्री श्रेया रांका, तृतीय श्रीमती मेघा सिंघी का अभातेममं द्वारा सम्मान किया गया। साथ ही उत्थान परेड संयोजिका सुश्री प्रज्ञा नौलखा उनकी पूरी टीम, आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान परिवार आदि सभी का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान द्वारा अभातेममं का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

उन्नति सत्र

समणी मधुरप्रज्ञा व समणी परिमल प्रज्ञा की पावन सन्निधि में श्रीमती विजयलक्ष्मी सेठिया के ''मंगलमय मोहिनी सूरत तेरी गुरुवर'' गीत के मधुर संगान के साथ इस सत्र का शुभारम्भ किया गया। बीकानेर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती शांता भूरा ने शब्द सुमनों से स्वागत करते हुए कहा कि अभातेममं श्रीमती कुमुद जी के कुशल नेतृत्व में निरन्तर वर्धमान होता रहे और सफलता के स्वर्णिम स्वस्तिक उकेरे। इसी क्रम में ''तुलसी का अवदान : नारी का उत्थान'' की सभी को भाव विभोर कर देने वाली प्रस्तुति बीकानेर महिला मंडल द्वारा दी गई।

समणी परिमल प्रज्ञाजी ने आचार्य भिक्षु की ''हेत परस्पर राखज्यो'' शिक्षा का स्मरण करवाते हुए कहा कि हमारा विकास सकारात्मक सोच, दायित्व बोध, सौहार्द के विस्तार में होना चाहिए।

समणी मधुरप्रज्ञाजी ने अपने मंगल उद्‌बोधन में कहा कि हमें स्वयं की समीक्षा करने की जरूरत है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने सम्मेलन के इस अंतिम चरण में आचार्य श्री महाश्रमणजी, साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी, शासन स्तम्भ मंत्री मुनि, मुख्य नियोजिकाजी, मुख्य मुनि, साध्वीवर्याजी, मंडल की आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासन गौरव साध्वी कल्पलताजी, गंगाशहर एवं बीकानेर में विराजित समस्त चारित्रात्माओं के प्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित की। आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान, गंगाशहर, बीकानेर महिला मंडल के प्रति भी आभार प्रकट किया। इस अवसर पर उपासक श्री राजेन्द्र सेठिया, **TPF** राष्ट्रीय महामंत्री श्री नवीन पारख, गंगाशहर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मंजु आंचलिया, बीकानेर मंडल अध्यक्ष श्रीमती शांता भूरा, रा.का.स. श्रीमती सुधा भूरा ने अपने विचार प्रस्तुत किये व सफल आयोजन हेतु बधाई प्रेषित की। सेवा व सक्रिय सहयोग हेतु श्रीमती किरण देवी आंचलिया, श्रीमती शारदा डागा, श्रीमती मंजु डागा, श्रीमती शांति देवी चौपड़ा, श्रीमती प्रकाश तातेड़, श्रीमती रंजु लुणिया, श्रीमती आरती कठोतिया, श्रीमती संगीता सेठिया आदि का सम्मान किया गया।

इस भव्य आयोजन में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु समणी मधुर प्रज्ञाजी, समणी परिमल प्रज्ञाजी, मुमुक्षु डॉ. शांता जैन, डॉ. धीरज मरोठी के प्रति अ.भा.ते.म.मं. हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करता है। विशेष प्रस्तुति हेतु राजेशजी, राकेशजी, याशिका खटेड़, सूरत से सुश्री निकिता एवं रिची जैन तथा गंगाशहर, सूरत, जयपुर व मुंबई महिला मंडल एवं मंगलाचरण प्रस्तुत करने वाले सभी क्षेत्रों के प्रति भी अ.भा.ते.म.मं. हार्दिक धन्यवाद प्रेषित करता है। सम्मेलन के दौरान स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत **Largest Human Depiction of Cloud** में विश्व कीर्तिमान बनाने की दिशा में अभातेममं ने अपने कदम बढ़ायें। इसमें विशेष भूमिका अदा करने वाली श्रीमती नीतू ओस्तवाल के प्रति हार्दिक धन्यवाद। इस सम्मेलन हेतु विशेष तौर पर गीतिका की रचना हेतु साध्वीश्री अणिमाश्रीजी, साध्वीश्री डॉ. योगक्षेम प्रभाजी एवं राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सूरज बरड़िया के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व इन रचनाओं को सुमधुर स्वर देने हेतु सुश्री बबीता गुनेचा, सुश्री प्रिया कोठारी एवं सुश्री श्रद्धा जैन के प्रति हार्दिक आभार।

इस सम्मेलन को आशातीत सफलता प्राप्त करने में व्यवस्था संबंधी विशेष सहयोग प्रदान किया आचार्य शांति प्रतिष्ठान अध्यक्ष श्री लूणकरणजी छाजेड़, मंत्री श्री जतनजी दुगड़, ट्रस्टी श्री डालजी भूरा व समस्त टीम के साथ श्री विनित जी बोथरा व कन्हैयालालजी रामपुरिया व समस्त कर्मचारीगण, रजिस्ट्रेशन में सहयोग रहा श्रीमती सुमन नाहटा (लाडनूं), श्रीमती निधी सेखानी, श्रीमती उषा जैन, श्रीमती रचना हिरण, आवास व यातायात में सहयोग रहा श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, श्रीमती सुमन लुणिया, श्रीमती सरिता बरलोटा, श्रीमती चंदा कोठारी, श्रीमती अदिती सेखानी, श्रीमती सीमा बैद, श्रीमती मंजु नौलखा, मंच व पंडाल में सहयोग रहा श्रीमती प्रभा घोड़ावत, श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा, श्रीमती सोनम बागरेचा, श्रीमती नमिता सिंघी, श्रीमती सायरा जैन व श्रीमती सुमन दुगड़, विसर्जन रैली हेतु सहयोग रहा श्रीमती सुमन नाहटा (दिल्ली) व श्रीमती पुखराज सेठिया, भोजन व्यवस्था में सहयोग रहा श्रीमती रंजु लूणिया, श्रीमती सुधा भूरा, श्रीमती विद्या कुंडालिया, श्रीमती मीना सुराणा व गुवाहाटी महिला मंडल, रिर्पोटिंग का दायित्व संभाला श्रीमती जयश्री जोगड़, श्रीमती रमन पटावरी, श्रीमती मोनिका जैन व श्रीमती कांता सेठिया साथ ही इस सम्मेलन को जनव्यापी बनाने में सोशल मीडिया व पत्रकार बंधुओं का भी विशेष सहयोग रहा। उत्थान निर्देशिका श्रीमती सूरज बरड़िया के निर्देशन में संयोजिका श्रीमती पुष्पा बैद एवं सह संयोजिका श्रीमती सरिता डागा ने अपने दायित्व का बखूबी निर्वहन किया। सभी के प्रति अ.भा.ते.म.मं. हार्दिक आभार ज्ञापित करता है। विशेष आभार गंगाशहर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मंजु आंचलिया, मंत्री श्रीमती संजु लालानी, बीकानेर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती शांता भूरा व मंत्री श्रीमती दीपिका बोथरा व पूरी टीम का तथा कन्यामंडल की सुश्री प्रज्ञा नौलखा व कन्या मंडल व ज्ञानशाला परिवार व समस्त सभा संस्था के प्रति जिन्होंने प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से इस सम्मेलन को सफल बनाने हेतु सहयोग किया।

अभातेममं का यह सम्मेलन बहनों के जीवन में उत्थान के नये रूप के साथ, नव सूर्य के रूप में उदित हुआ है यह इस सम्मेलन की सफलता है।

जयपुर – अभातेममं की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, सहमंत्री श्रीमती रंजु लुणिया ने विराट युवती सम्मेलन के पूर्व जयपुर में मंत्री मुनिप्रवर का आशीर्वाद प्राप्त कर राजस्थान महिला आयोग की अध्यक्ष सम्माननीय श्रीमती सुमन शर्मा से मुलाकात कर संस्था की गतिविधियों एवं उत्थान कार्यक्रम की जानकारी दी।

विराट युवती सम्मेलन ''उत्थान'' आयोजन में सहयोगी परिवार

विशिष्टतम सहयोगी परिवार

1. श्रीमती मनीषा सुरेन्द्रजी बोरड़, मोमासर, बेल्जियम
2. श्रीमती प्रभा जसराजजी मालू, दिल्ली

विशिष्ट सहयोगी परिवार

1. आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान
2. गंगाशहर महिला मंडल
3. बीकानेर महिला मंडल

विशेष सहयोगी परिवार

1. श्रीमती प्रकाशदेवी मदनजी तातेड़, धानीन, मुंबई
2. श्रीमती संगीता प्रभातजी सेठिया, हैदराबाद
3. श्रीमती आरती राकेशजी कठोतिया, लाडनूं, मुंबई
4. श्रीमती शांति देवी चौपड़ा, गंगाशहर
5. श्रीमती रंजू मनोजजी लूणिया, चाड़वास, शिलांग

अ.भा.ते.म.मं. सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करता है।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को ''क्रांति सम्मान'' से किया सम्मानित

इन्दिरा गांधी मेमोरियल बी.एड. कॉलेज, पीलीबंगा द्वारा 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के राष्ट्रीय अभियान में आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल के माध्यम से जागृति लाने पर अखिल भारतीय तेरापंथ मंहिला मंडल को ''क्रांति सम्मान'' से सम्मानित किया। यह सम्मान पीलीबंगा शिक्षण समिति के अध्यक्ष श्री जगजीत सिंह सिद्धू ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा को प्रदान किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा एवं रा.का.स. श्रीमती पुष्पा नाहटा भी उपस्थित रही

गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री माननीय विजय रूपाणी ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को कन्या सुरक्षा व स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सराहनीय कार्य करने हेतु संदेश प्रेषित किया।

गुजरात राज्य के उपमुख्यमंत्री माननीय नितिन पटेल ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को 8 मार्च 2018 को महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत आयोजित We Can रैली के सफलतम आयोजन हेतु व गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवाने के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

बंगाल के राज्यपाल माननीय केसरीनाथ त्रिपाठी जी द्वारा अ.भा.ते.म.मं. को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने के लिए हार्दिक बधाई प्रेषित करें।

आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल उद्घाटन

पीलीबंगा – अ.भा.ते.म.मं. की कन्या सुरक्षा योजना के अंतर्गत पीलीबंगा महिला मंडल ने पीलीबंगा में कन्या सुरक्षा सर्किल का निर्माण किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा के साथ नगरपालिका चेयरमेन श्री राजकुमारजी फंडा, विधायिका श्रीमती द्रोपदी मेघवाल, पीलीबंगा SDM मीनू वर्मा, आंचलिक समिति अध्यक्ष श्री मांगीलाल रांका ने सर्किल का अनावरण किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया की पूरे देशभर में आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किलों का निर्माण किया जा रहा है जिसके माध्यम से कन्याओं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने गंगानगर व हनुमानगढ़ जिले में और अधिक सर्किलों के निर्माण हेतु आह्वान किया। स्थानीय महिला मंडल एवं कन्या मंडल द्वारा स्वागत गितिका प्रस्तुत की गयी। रा.का.स. श्रीमती पुष्पा नाहटा, मंडल अध्यक्ष श्रीमती विनोददेवी बांठिया, सभा अध्यक्ष श्री मूलचंद बांठिया, कन्या सुरक्षा समिति सूरतगढ़ अध्यक्ष श्री पारसमल भाटिया, महासभा से हनुमानगढ़-गंगानगर आंचलिक प्रभारी श्री विमल कोटेचा, डॉ. एफ.एम. पवार, डॉ. वेदप्रकाश कालड़ा व समाजसेवी रामेश्वरलाल पेडीवाल ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में सांगरिया, श्री गंगानगर, हनुमानगढ़, सूरतगढ़ क्षेत्रों की महिलाओं की विशेष उपस्थिति रही। मंडल कोषाध्यक्ष राजबाला, तेयुप अध्यक्ष श्री मुकेश, सभा मंत्री श्री महेन्द्र नौलखा ने अतिथियों का स्वागत किया। शिक्षण समिति अध्यक्ष श्री जगजीत सिंह सिद्धू, B.E.D. कॉलेज प्राचार्य श्री स्वराज शर्मा के साथ एकता मंच, तरूण संघ, मारवाड़ी युवा मंच, भारत विकास परिषद् एवं अणुव्रत समिति आदि संस्थाओं के पदाधिकारियों की कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति रही। स्थानीय मंत्री श्रीमती ज्योति बांठिया ने आभार ज्ञापन किया, संचालन श्रीमती प्रतिभा दुगड़ ने किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा व रा.का.स. श्रीमती पुष्पा नाहटा ने हनुमानगढ़ में विराजित साध्वीश्री गुप्तिप्रभाजी के दर्शन कर सेवा उपासना का लाभ लिया। हनुमानगढ़ महिला मंडल ने स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया।

''स्वच्छ भारत अभियान'' गीतिका का रेल्वे स्टेशनों पर प्रसारण

जयपुर शहर – अ.भा.ते.म.मं. के स्वच्छ भारत अभियान के तहत तेरापंथ महिला मंडल जयपुर शहर के विशेष प्रयासों से संस्था का साध्वीश्री प्रमुखाश्रीजी द्वारा रचित स्वच्छ भारत गीत जयपुर रेल्वे स्टेशन से उदयपुर रेल्व स्टेशन के बीच आने वाले स्टेशनों पर नियमित अंतराल पर प्रसारित हो रहा है। राजस्थान सरकार के माननीय गृहमंत्री श्री गुलाबचंदजी कटारिया के विशेष सहयोग व मार्गदर्शन से जयपुर शहर अध्यक्ष श्रीमती मधु श्यामसुखा व मंत्री श्रीमती शकुंतला चौरड़िया ने अपनी टीम के सहयोग से यह प्रशंसनीय कार्य किया।

जगराओं – जगराओं महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती प्रीति जैन, मंत्री श्रीमती रजनी जैन व अन्य पदाधिकारियों के प्रयासो से व जगराओं सभा अध्यक्ष श्री नवनीत गुप्ता के विशेष सहयोग से जगराओं रेल्वे स्टेशन पर संस्था का स्वच्छ भारत गीत नियमित अंतराल पर प्रसारित होना शुरू हो गया है। जगराओं मंडल ने सक्रियता व जागरूकता के साथ प्रचार-प्रसार कर यह प्रशंसनीय कार्य किया।

दोनों मंडलों ने जन-जन तक संस्था के स्वच्छता अभियान को पहुँचाने का सफल प्रयास किया है। दोनों ही मंडल के प्रति हार्दिक साधुवाद

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने रचा तीसरा विश्व कीर्तिमान

नैतिकता के शक्तिपीठ, गंगाशहर में विराट युवती सम्मेलन के दौरान दिनांक 1 जुलाई 2018 को गोल्डन बुक ऑफ रिकार्डस में **Largest Human Depiction of Cloud Title** की तर्ज पर 700 भाई-बहनों ने इस विश्व कीर्तिमान को स्थापित करने में अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

आचार्य तुलसी हॉस्पीटल, बीकानेर के BMT यूनिट में अ.भा.ते.म.मं. द्वारा एक कमरे का अनुदान

अ.भा.ते.म.मं. द्वारा श्रीमान् सुरेन्द्र जी मनीषा बोरड़ पटावरी, बेल्जियम के सहयोग से ''उत्थान'' युवती सम्मेलन के दौरान बीकानेर के आचार्य तुलसी कैंसर हॉस्पिटल के BMT यूनिट में एक कमरे के अनुदान की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने की। उदारमना व्यक्तित्व के धनी मोमासर निवासी बेल्जियम प्रवासी श्री सुरेन्द्र जी बोरड़ की मातुश्री श्रीमती चंद्रकला बोरड़, श्रीमती किरण पुगलिया एवं श्री दिपकजी सिंघी के साथ गंगाशहर में ''उत्थान'' की पूर्व संध्या में उपस्थित हुई एवं अ.भा.ते.म.मं. को सम्मेलन की सफलता हेतु शुभकामना प्रेषित की। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, उत्थान निर्देशिका श्रीमती सूरज बरड़िया, संयोजिका श्रीमती पुष्पा बैद, श्रीमती सरिता डागा एवं पदाधिकारियों द्वारा श्रीमती चंन्द्रकला जी का भावभरा सम्मान किया। श्री सुरेन्द्रजी पटावरी की मातुश्री श्रीमती चंद्रकला बोरड़, श्रीमती किरण पुगलिया तथा श्री दीपकजी सिंघी के साथ गंगाशहर पधारी एवं उन्हें शुभकामना प्रेषित की। उन्होंने आचार्य तुलसी कैंसर हॉस्पिटल के बोनमेरो यूनिट में एक कमरा निर्माण हेतु अ.भा.ते.म.मं. को आर्थिक सौजन्य प्रदान किया। अ.भा.ते.म.मं. बोरड़ परिवार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

आचार्य तुलसी कैंसर हॉस्पिटल में मिली कन्या सुरक्षा सर्किल के निर्माण की अनुमति

आचार्य श्री तुलसी रिजनल कैंसर चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डॉ.एम.आर. बरड़िया ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, सहमंत्री श्रीमती रंजु लूणिया तथा रा.का.स. सदस्य श्रीमती सुधा भूरा एवं आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री लूणकरणजी छाजेड़ व मंत्री जतनजी दुगड़ को संपूर्ण कैंसर अस्पताल व BMT यूनिट का अवलोकन करवाया। साथ ही साथ महिला प्रसूति विभाग के बाहरी भाग में आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल हेतु स्थान दिखाया। इस सर्किल के निर्माण के लिए सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य आर.पी. अग्रवाल को स्वीकृति प्रदान करने हेतु निवेदन किया। उन्होंने आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान के पदाधिकारी एवं अ.भा.ते.म.मं. को स्वीकृति प्रदान करने का विश्वास दिलाया।

चैन्नई – तीर्थंकर के प्रतिनिधि परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी की चातुर्मासिक स्थली चेन्नई में अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा दायित्व ग्रहण करने के पश्चात् प्रथम बार महामंत्री नीलम सेठिया के साथ पूज्य प्रवर के दर्शनार्थ पहुँची। गुरुदेव के दर्शन, सेवा का लाभ व मंगल आशीर्वाद प्राप्त कर चातुर्मास स्थल माधावरम् में चार्तुमास व्यवस्था समिति अध्यक्ष श्री धर्मचंदजी लुंकड़ के साथ अ.भा.ते.म.मं. के चेन्नई में आयोजित आगामी कार्यक्रमों की व्यवस्था सम्बन्धी जानकारी ली। सायं साहूकार पेट भवन में साध्वीश्री विद्यावतीजी ठाणा-5 एवं साध्वी श्री काव्यलताजी ठाणा-4 के सान्निध्य में चेन्नई महिला मंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का प्रथम बार चेन्नई आगमन पर स्वागत अभिनन्दन किया। साध्वीद्वय ने राष्ट्रीय अध्यक्ष की श्रमशीलता, सरलता व सौम्यता की सराहना करते हुए कहा कि और अधिक संघ की प्रभावना करते हुए महिला शक्ति की जागरूकता हेतु श्रम का नियोजन करे साथ ही कहा कि कर्मठ, ऊर्जावान व शांत महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया के सहयोग से नये-नये कार्यों को अंजाम दे व दोनों के प्रति मंगलकामना प्रेषित की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने चेन्नई महिला मंडल को आह्वान किया कि आप सौभाग्यशाली है पूज्य प्रवर का चातुर्मास पाकर। सभी बहनें ज्यादा से ज्यादा त्याग, तप, धर्म, उपासना का लाभ ले। महामंत्री ने चातुर्मास के समय का सदुपयोग करने हेतु बहनों को विशेष प्रेरणा दी। कार्यक्रम में रा.का.स. श्रीमती उषा बोहरा, श्रीमती रजनी दुगड़, स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती कमला गेलड़ा, मंत्री श्रीमती शांति दुधोड़िया के साथ अन्य पदाधिकारीगण व महिला शक्ति की गरिमामय उपस्थिति रही।

दो दिवसीय दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब स्तरीय आंचलिक कन्या कार्यशाला ''पहचान''

PEHCHAN
ASPIRING A NEW ME

अभातेममं के निर्देशन में दो दिवसीय दिल्ली, यू.पी., हरियाणा, पंजाब स्तरीय आंचलिक कन्या कार्यशाला ''पहचान – **Aspiring A New Me**'' का सफलतम आयोजन समणी निर्देशिका मंजुप्रज्ञाजी एवं स्वर्णप्रज्ञाजी के मंगल सान्निध्य में अध्यात्म साधना केन्द्र मेहरोली–दिल्ली के प्रांगण में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता, राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी मधु देरासरिया एवं सह प्रभारी तरूणा बोहरा की गरिमामय उपस्थिति में तेरापंथ महिला मंडल एवं कन्या मंडल दिल्ली द्वारा किया गया। जिसमें 14 क्षेत्रों से लगभग 200 कन्याओं ने उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता दर्ज करवाई।

उद्घाटन सत्र : पहचान की उजली भोर – बढ़े विकास की ओर

समणीजी द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ प्रथम सत्र का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम ''पहचान'' बैनर का अनावरण राष्ट्रीय कार्यसमिति द्वारा किया गया। दिल्ली कन्या मंडल ने संकल्प गीत की प्रंशसनीय प्रस्तुती दी। दिल्ली महिला मंडल अध्यक्ष पुष्पा बोकाडिया ने सभी आंगतुकों का स्वागत किया। दिल्ली महिला मंडल द्वारा, सुंदर स्वागत गीतिका की प्रस्तुति दी गई। राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती मधु देरासरिया ने अपनी बात रखते हुए कहा अहमदाबाद से पहचान कार्यशाला का सिलसिला शुरु हुआ और यह अंतिम छठी कार्यशाला ने आज दिल्ली में भव्य रूप लिया। भीड़ में अलग पहचान बनाने के लिए अलग सोच रखनी पडेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुदजी कच्छारा ने कन्याओं को मोटीवेट करते हुए पहचान शब्द की व्याख्या सुंदर तरीके से पेश की। प्रधान ट्रस्टी श्रीमती सायर जी बैंगानी ने ट्रस्टी श्रीमती सुशीला पटावरी की अनुपस्थिति का उन्होंने स्मरण किया।

समणी मंजुप्रज्ञाजी ने पावर पोईंट के माध्यम से कन्याओं को बहुमूल्य प्रशिक्षण में बताया कि हर परिस्थितियों का स्वागत करें और लाईफ को एक आर्ट बनाए। अपना **Aim** निर्धारित करें और टाईम टेबल बनाएं।

मुख्य अतिथि मेहरोली जिला अध्यक्ष श्रीमती वीणाजी शर्मा, टीवी एंकर प्रज्ञाजी भूषण, नमीताजी शर्मा एवं कोरियाग्राफर विनोद ठाकुर रहे। राष्ट्रीय कार्यसमिति से उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता जैन, पूर्व महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैंगानी, श्रीमती मंजु भूतोडिया, श्रीमती उषा जैन, श्रीमती नीतू पटावरी एवं कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती सुमन लुणिया की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अणुव्रत समिति न्यासी श्री सम्पत जी नाहटा, श्री गोविंदजी बाफना, श्री संतोष तनेजा, श्री सुखराज सेठिया की कार्यक्रम में प्रंशसनीय उपस्थिति रही। मंत्री श्रीमती सरोज सिपानी ने आभार ज्ञापन किया एवं कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती नीतू भंडारी ने कुशल मंच संचालन किया।

द्वितीय सत्र : एक नई पहचान – भरे भीतर की उड़ान

सत्र की शुरुआत तेरापंथ कन्या मंडल लुधियाना के मंगलाचरण से की गयी। पूर्व महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा ने अपने अनोखे अंदाज में कन्याओं को प्रेरित किया। कुशल संचालन फरीदाबाद कन्या मंडल ने किया।

तृतीय सत्र : धर्म, शिक्षा और व्यवहार – पहचान का आधार

सर्वप्रथम मंगल गीतों की गुंजन भिवानी कन्या मंडल ने की। समणी स्वर्ण प्रज्ञाजी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता जैन एवं कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती मधु देरासरिया ने कन्याओं को प्रशिक्षण दिया। संचालन गुरुग्राम कन्यामंडल ने किया।

Treasure Hunt

जींद कन्या मंडल की स्वर लहरियों से सत्र का शुभारम्भ हुआ। सहप्रभारी श्रीमती तरूणा बोहरा ने **Treasure Hunt Activity** को बड़े ही रोचक तरीके से कन्याओं के बीच करवाई। संभागी कन्याओं ने गेम्स के माध्यम से अपने ज्ञान को बढ़ाया।

चतुर्थ सत्र : चले पहचान की ओर – आल राउण्डर बनने का दौर

नोएडा कन्यामंडल के मंगल गीत से सत्र का शुभारम्भ किया गया। विभिन्न क्षेत्रों से आई 200 कन्याओं के 9 ग्रुप ने प्रस्तुति दी। विशेष स्थान पर आने वाली कन्याओं को सम्मानित किया गया। शनिवार की सामायिक में सभी ने पुष्पाजी बैंगानी से प्रशिक्षण प्राप्त किया।

पंचम सत्र : सांस्कृतिक कार्यक्रम – Aspiring a New Me

एक नई पहचान सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुभ शुरूआत हिसार एवं फरीदाबाद कन्या मंडल के मंगलाचरण से हुई। आए हुए विभिन्न क्षेत्रों ने अलग-अलग पहचान के साथ अपनी शानदार प्रस्तुति दी। दिल्ली कन्या मंडल ने मंच संचालन किया।

द्वितीय दिवस

प्रथम सत्र : पहचान का विश्वास – कामयाबी का प्रयास

समणी स्वर्णप्रज्ञाजी ने प्रातः कन्याओं को योग एवं प्रेक्षा ध्यान करवाया। सत्र की शुरुआत जगराओ कन्या मंडल के मंगलाचरण से हुई। मोटीवेटर संस्कृति भंडारी ने कन्याओं को आध्यात्मिक जुडाव के साथ, सरल भाषा में प्रशिक्षण दिया। समणी मंजुप्रज्ञाजी एवं स्वर्णप्रज्ञाजी ने प्रेरणा पाथेय प्रदान करवाया। दिल्ली कन्यामंडल ने मंच संचालन किया।

समापन सत्र :

राष्ट्रीय कन्या मंडल सह प्रभारी तरुणा बोहरा ने इस सत्र का कुशल संचालन किया। राष्ट्रीय टीम द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी क्षेत्रों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में विजेता कन्या मंडल को दिल्ली महिला मंडल ने पुरुस्कृत किया। पहचान कार्यशाला की समायोजना में दिल्ली महिला मंडल व कन्या मंडल का आभार राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती मधु देरासरिया ने किया। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती सुमन लुणिया ने अभिव्यक्ति दी। दिल्ली महिला मंडल मंत्री श्रीमती सरोज सिपानी एवं कन्या मंडल संयोजिका मधु दुगड ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

पूज्य प्रवर की सन्निधि में चातुर्मासिक पक्खी प्रतिक्रमण का भव्य आयोजन

पूज्य आचार्य प्रवर के आभावलय से आभामण्डित माधावरम में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में चैन्नई तेरापंथ मंडल के तत्वावधान में सामूहिक चातुर्मासिक पक्खी प्रतिक्रमण किया गया। माधावरम में आचार्य महाश्रमण समवसरण में हजारों की संख्या में श्रावक समाज ने प्रतिक्रमण कर सामूहिक क्षमा याचना की। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती उषा बोहरा, श्रीमती शशि बोहरा, श्रीमती लता जैन, श्रीमती सरिता बरलोटा, श्रीमती सुनीता बोहरा, श्रीमती सुमन बैद, श्रीमती सरला श्रीमाल की गरिमामय उपस्थिति रही। सैंकड़ों की संख्या में बहनों एवं भाईयों की उपस्थिति से पूरा महाश्रमण समवसरण गुंजायमान हो गया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ऐसी आध्यात्मिक गतिविधियों की लोगों ने भूरी-भूरी प्रंशसा करते हुए सफलतम कार्यक्रम की बधाई दी। आगे भी चातुर्मास काल में सामूहिक प्रतिक्रमण सुचारू रूप से चलेगा।

अहमदाबाद-शाहीबाग में ''शासनश्री'' साध्वी श्री रतनश्रीजी का भव्य रैली के साथ ''चातुर्मासिक मंगल प्रवेश'' हुआ। इस रैली में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की प्रधान ट्रस्टी श्रीमती सायर देवी बैंगानी, रा.का.स. श्रीमती पुखराज सेठिया, रा.का.स. श्रीमती अदिति सेखानी आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। तेरापंथ महिला मंडल अहमदाबाद की अध्यक्ष श्रीमती रेखा कोठारी ने स्वागत वक्तव्य दिया। मंगल प्रवेश के पश्चात् श्रीमती सायर देवी बैंगानी व पुखराज सेठिया की उपस्थिति में संगोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें उन्होंने संस्था की मुख्य योजनाओं पर चर्चा की व गतिविधियों पर प्रकाश डाला साथ ही मजबूत संगठन बनाकर कार्य करने पर बल दिया। मंडल की बहिनों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए मंडल के प्रति मंगलकामना प्रेषित की। आभार मंत्री ममता संकलेचा ने किया। संगोष्ठी में स्थानीय मंडल की संरक्षिका श्रीमती मृदुला मांडोत, परामर्शक व कार्यसमिति की बहिनें उपस्थित थी।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता अगस्त 2018

सन्दर्भ ग्रंथ : तेरापंथ प्रबोध 86 से 100 पद्य अर्थ सहित
तेरापंथ का इतिहास पृष्ठ संख्या 216 से 228 तक (अन्तिम विहार से अग्नि समर्पित तक)

अ. गलत शब्द को रेखांकित कर सही शब्द लिखें :-

1. सिरियारी का ह्रास सामाजिक कारणों से हुआ।
2. जोधपुर नरेश मालसिंहजी के पुत्र छत्रसिंहजी थे।
3. भीखणजी पांचवें देवलोक में देव के रूप में पैदा हुए।
4. स्वामीजी ने दुलीचन्दजी आछा के कहने पर सिरियारी का चातुर्मास स्वीकार किया।
5. संयम में शुद्ध मन से अनासक्ति रखना।
6. संवत्सरी के दिन श्रमण-श्रमणी सजल उपवास करते हैं।
7. यति हीरविजयजी स्वामीजी के अनुयायी संत थे।

ब. जोड़ी मिलाओ

ओप्यो	बैंकुंठी
खिन्नता	बात
शासन प्रभाकर	भाग्यशाली
विरवो	बरतारो
संभार	यति हुलासचन्दजी
पुण्य पोरसा	सुशोभित होना
बोल	वृक्ष
मंडी	ढेर
शासनकाल	याद करना
अंबार	दिलगीर

स. यति हीरविजयजी के स्मरण करने पर यक्ष विलम्ब से क्यों आए ?

द. स्वामीजी ने कहा भारमलजी सौभाग्यशाली है। कैसे ?

नोट : उत्तर पुस्तिका पर अपना नाम पता एवं फोन नं. अवश्य लिखें।
उत्तर महिने की 25 तारीख तक श्रीमती रमन पटावरी के पते पर अवश्य पहुँच जाए।
उत्तर फुल साइज पेज पर हाशिया छोड़ते हुए शुद्ध एवं साफ लिखें।
प्रश्न का उत्तर जितना पूछा जाए उतना ही दें।

श्रीमती रमन पटावरी
SILVER SPRING,
JBS 5 HALDEN AVENUE,
BLOCK - 1, 17-C, KOLKATA - 700105
मोबाईल : 9903518222 / 033-40620395
ई-मेल : raman.patawari@gmail.com

जुलाई माह के प्रश्नों के उत्तर

स. उत्तर उचित शब्द का चयन करके दें :'

1. थोकड़ा	6. चर्चा	11. झोलका	16. मुनिखेतसीजी
2. नांगला	7. गुणोत्कीर्तन	12. युवक	17. सत्तर
3. क्षमता	8. मुनिरायचन्दजी	13. कमी	18. लिखत-1
4. सुदर्शन चरित	9. मोक्ष	14. आख्यान	19. विगत
5. तेरा द्वार	10. हुंडी	15. लिखत-2	20. प्याज

ब. प्रश्नों के उत्तर :-

1. 75 वर्ष की अवस्था में स्वामीजी ने ''बाटी की घाटी'' ''भूताला का घाट'' और मोडी आदि पर्वतीय मार्गों को पार किया।
2. भारीमलजी, टोकरजी व खेतसी जी।
3. सर्व साधारे, मर्यादा रो लिख और ऋषि अखैरामजी रे अने ऋषि सिंघजी रे विगय खावा रा त्याग रो लिखत।

जून माह की प्रश्नोत्तरी के 10 भाग्यशाली विजेताओं के नाम

1. श्रीमती भारती श्यामसुखा, जलगाँव
2. श्रीमती पुष्पा मिन्नी, सरदारशहर
3. श्रीमती अरूणा सिंगला, नाभा पंजाब (सिंगला)
4. श्रीमती वीणा श्यामसुखा, साउथ कोलकाता
5. श्रीमती वनिता डूंगरवाल, मुम्बई
6. श्रीमती रेणू नखत, ईरोड़
7. श्रीमती संगीता रांका, बालोतरा
8. श्रीमती वीणा तातेड़, अहमदाबाद
9. श्री अरिहन्त जैन, लुधियाना
10. श्रीमती शांति देवी डाकलिया, दलखोला

सर्वाधिक उत्तर प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई बालोतरा क्षेत्र (91), साउथ कोलकाता (59), मुम्बई (49) से। बहुत-बहुत बधाई व साधुवाद।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

2,00,000	गुप्तदान
21,000	धूलिया महिला मंडल द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
11,000	श्रीमती अयोध्या देवी पृथ्वीराजजी ओस्तवाल (बालोतरा) द्वारा पौत्री जन्म के उपलक्ष्य में सप्रेम भेंट
5,100	श्रीमती किरण देवी छाजेड़ (बीकानेर) द्वारा सप्रेम भेंट।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

महामंत्री कार्यालय : श्रीमती नीलम सेठिया - 28/1, शिवाया नगर, 4th Cross, रेड्डीयुर, सेलम-636004, तमिलनाडु
मो. : 099524 26060 ईमेल neelamsethia@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती सरिता डागा - 45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर - 302 017
मो. : 094133 39841 ईमेल sarita.daga21@gmail.com

नारीलोक हेतु सम्पर्क करें : श्रीमती सौभाग बैद मो. : 080031 31111 श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा मो. : 096199 27369
नारीलोक देखें website : www.abtmm.org